भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

लोक सभा

ल खत प्रश्न सं. †2465

सोमवार, 01 अगस्त, 2022/10 श्रावण, 1944 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

त मलनाडु में नए तीर्थ केन्द्र

†2465. श्री एस. राम लंगमः

क्या पर्यटन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कः

(क) क्या सरकार ने नए तीर्थ केन्द्रों की पहचान करने के लए त मलनाडु राज्य के साथ समन्वय स्था पत करने का कोई प्रयास कया है ता क उनमें से कुछ को अपनी प्रसाद योजना में शा मल कया जा सके और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या सरकार ने महत्वपूर्ण धा र्मक स्थलों की पहचान करने के लए त मलनाडु राज्य सरकार से कोई पत्राचार कया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार ने द क्षण भारतीय द्र वड़ वास्तुकला के संरक्षण के लए कोई नया कदम उठाया है; और

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री जी. कशन रेड्डी)

(क) और (ख): प्रसाद योजना के तहत गंतव्यों की पहचान और चन्हित गंतव्यों पर पर्यटन अवसंरचना वकास के लए परियोजनाओं का अनुमोदन एक सतत प्र क्रया है। पर्यटन मंत्रालय त मलनाडु राज्य सहित राज्य सरकारों/संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों को वकास के लए तीर्थयात्रा स्थलों के नामांकन हेतु समय-समय पर पत्र भेजता है। प्रसाद योजना के तहत नियत प्र क्रया के अनुपालन के बाद त मलनाडु राज्य सरकार को निम्न दो परियोजनाओं की मंजूरी दी गई है:-

(करोड़ रुपये में)

क्र.सं.	परियोजनाओं का नाम	स्वीकृति का वर्ष	स्वीकृत लागत	जारी की गई रा श
1.	कांचीपुरम का वकास	2016-17	13.99	13.99
2.	वेल्लंकानी का वकास	2016-17	4.86	4.86

परियोजनाओं का भौतिक निष्पादन पूर्ण हो गया है।

(ग) और (घ) : प्रस्ता वत अवसंरचना पहलों का सौंदर्यीकरण और वास्तुकला व श ष्टताएं राज्य सरकार का वशेषा धकार है। य द्य प, राज्य सरकारों से परियोजना मंजूरी बैठकों के दौरान अनुरोध कया जाता है क वे इमारतों के लए प्रच लत वास्तु शैली पर वचार करें ता क वे आसपास के वातावरण से मेल खा सकें।

****